नवभारत टाइम्स

महामुम्बई

नवभारत टाइम्स, मुम्बई, 19 जुलाई 2008 3

3 महीने बाद भी नहीं मिल पाई अपनी कार

दुर्गेश सिंह

मुम्बई। 12 लाख की लागत से बनी स्कोडा ऑक्टेविया राइडर सड़कों पर भागती हुई और बेहतरीन लगती है। स्पीड और लुक्स के इसी मुगालते में लोखंडवाला निवासी हरीश कंचन ने चेक रिपब्लिक निर्माता कंपनी द्वारा निर्मित यह महंगी कार खरीदी थी लेकिन उन्हें क्या पता था कि इस कार से उनकी जिंदगी में हाहाकार मच जाएगा।

26 दिसम्बर 2006 को खरीदी इसी गाड़ी का एक्सीडेंट 29 फरवरी 2008 को मुम्बई-नासिक हाइवे पर होने के बाद हरीश अपनी क्षतिग्रस्त गाड़ी लेकर चेम्बूर स्थित स्कोडा ऑटो के अधिकृत वर्कशॉप न्यूमर इन्स पहुंचे जहां उन्हें 7 दिनों में गाड़ी की डिलीवरी मिलने का आश्वासन दिया गया। जब कार 15 मार्च तक हरीश को नहीं मिली तब वे वर्कशॉप के एक्सीडेंटल मामले देखने वाले एक शख्स से मिले, पर बार-बार उन्हें यह देखकर रफा-दफा किया जाता रहा कि स्कोडा के ऑरिजनल पार्ट्स अभी तक आ नहीं सके हैं। बार-बार वर्कशॉप जाने से आजिज आ चुके हरीश ने एक दिन वर्कशॉप में खड़ी अपनी कार के साइड मिरर देखे तो हतप्रभ रह गए कि अरे, इसके तो कांच पुराने लग रहे हैं।

लगातार मेल के जरिए फॉलो-अप्स से उकता गए हरीश को आखिरकार 15 अप्रैल को गाड़ी की डिलीवरी मिली। उन्होंने इसके लिए बाकायदा 1 लाख 94 हजार 908 रुपए का भुगतान भी प्रतिष्ठित मोटर निर्माता कंपनी के वर्कशॉप को किया। लेकिन गाड़ी के फ्यूज बॉक्स, ब्रेक असेम्बली, क्लाच असेम्बली, बैटरी, इंजन सपोर्ट क्रॉस मेम्बर, रेडिएटर, इसी कंडेंसर, एसी कम्प्रेसर, अल्टरनेटर बेल्ट, फ्रांट ब्रेक डिस्क, पॉवर स्टियरिंग पाइप और वन व्हील रिम समेत कई महंगे मोटर पार्ट्स डुप्लीकेट थे। हरीश को काटो तो खून नहीं, उन्होंने घबराई कंडीशन में कस्टमर केयर स्कोडा मोटर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी से संपर्क साधा तो उन्होंने भांडुप स्थित स्कोडा के एक और अधिकृत डीलर जेएमडी मोटर्स में गाड़ी ले जाने की बात कही। जेएमडी के दो सर्विस इंजीनियरों ने हरीश को बताया कि दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए गाड़ी के सभी पार्ट्स डुप्लीकेट हैं। 26 अप्रैल को हरीश को श्रीनिवासन ने यह सूचना दी कि अब उनकी भरपाई जेएमडी मोटर्स के जरिए ही की जाएगी, जिसका लेबर चार्ज न्यूमर इन्स के वर्कशॉप द्वारा भुगतान किया जाएगा।

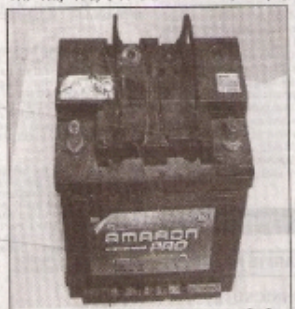

स्कोडा मोटर्स की गाड़ियों में एक्साइड कंपनी की बैटरी आमतौर पर होती है लेकिन वर्कशॉप में बदले गए रिप्लेसिंग पार्ट्स में एमरॉन की बैटरी भी शामिल है जो गाड़ी में लगी थी।

6 मई को जेएमडी ऑटो के नाम 1 लाख 27 हजार के बिजनेस चेक का भुगतान न्यूमर इन्स द्वारा किया गया। स्कोडा के बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर कार्तिक रमेश न्यूमर इन्स के खिलाफ होने वाली कार्रवाही को अपना आंतरिक मामला बताते हैं। 28 मई को स्कोडा मोटर्स हरीश को 4 लाख 39 हजार 247 रुपए का एक चेक ई-मेल के जरिए भेजता है जिसका भुगतान करने पर ही उन्हें गाड़ी मिलने की बात कही जाती है। हरीश का कहना है कि आज 3 महीनों के बाद भी उन्हें उनकी कार नहीं मिली है।